

समस्यात्मक व्यवहार का कारण

समस्यात्मक व्यवहार को प्रदर्शित करने के निम्न कारण हैं-

1. **वंशानुक्रम** : वंशानुक्रम के द्वारा अनेक बीमारियों तथा अक्षमताओं से ग्रसित बालक अपेक्षित व्यवहार करने में अक्षम होते हैं। हीनता को पूर्ति करने की दृष्टि से ये आसान, किन्तु अनैतिक कार्यों की तरफ झुक जाते हैं। ये सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए समस्याएँ उत्पन्न करते हैं। जैसे-बुद्धि दौर्बल्य, ग्रन्थि विकास, विरासत में मिला दुर्लभ रोग आदि।
2. **मूल प्रवृत्तियों का दमन** : मूल प्रवृत्तियों के दमन के कारण उनमें भावना ग्रन्थियाँ दब जाती हैं, फलस्वरूप वे असांजकारिक व्यवहार रखते हैं।
3. **शारीरिक दोष** : शारीरिक दोष के कारण ऐसा व्यवहार करते हैं।
4. **वातावरण** : यदि घर, विद्यालय व समाज का वातावरण दुष्टित होता है, तब भी बालक अव्यक्त व्यवहार करते हैं।
5. **माता-पिता व शिक्षकों का व्यवहार** : बालक के साथ तिरस्कारपूर्ण व्यवहार करना या बहुत लाड़-प्यार दिखाना भी समस्या उत्पन्न कर देता है।
6. **परिवार का वातावरण** : माता-पिता, भाई-बहन के आपसी कलह का भी प्रभाव पड़ता है। ऐसे घरों में जहाँ विमाता होती हैं, माता-पिता में से एक का देहांत हो जाता है वहाँ समस्यात्मक बालक पाये जाते हैं। ये अनुशासनहीन हो जाते हैं।
7. **नैतिक शिक्षा का अभाव** : नैतिक शिक्षा के अभाव में भी बालक दुर्गुणों से युक्त हो जाता है।
8. **सामाजिक दोष** : आवश्यकताओं की पूर्ति का अभाव बालक के अनेक सामाजिक व मनोवैज्ञानिक समस्यात्मक व्यवहार को जन्म देता है।

समस्यात्मक बालकों की शिक्षा का स्वरूप

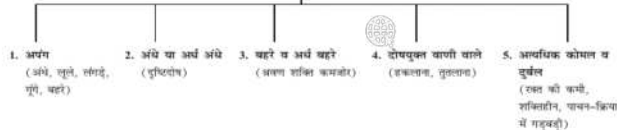
बालक को शारीरिक दण्ड ना देकर मनोवैज्ञानिक उपायों पर बल दें-

1. परिवार में माता-पिता, उनके प्रति प्रेम व सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें।
2. बालक की मूलप्रवृत्तियों का दमन ना करें। कोई दोष अगर आ जाये तो उसकी मानसिक चिकित्सा करावें।
3. बालकों को उचित कार्यों हेतु प्रेरित, प्रोत्साहित व पुरस्कार दें।
4. उन्हें नैतिक शिक्षा दें।
5. बालक की संगति पर ध्यान दें।
6. बालक को मनोरंजन के उचित अवसर दें।
7. बालक को संतुलित जेब खर्च दें।
8. अध्यापक आदर्शपूर्ण व्यवहार करें।
9. मनोरंजक शिक्षण विधि प्रयोग करें, अन्यथा बालक कक्षा से बाहर घूमते हैं या स्कूल से ही भाग जाते हैं।
10. संतुलित पाठ्यक्रम हो, ताकि बालकों पर अनावश्यक बोझ ना पड़े।
11. पाठ्योत्तर कार्यक्रमों, जैसे पिकनिक भ्रमण, स्काउटिंग खेलकूद, नाटक, संगीत प्रतियोगिता आदि के द्वारा समस्यात्मक व्यवहारों को रोक जा सकता है।
12. बालकों में आत्मनुशासन जगृत करने हेतु उत्तरदायित्व पूर्ण कार्य सौंपें।

विकलांग बालक (Physically Handicapped)

कुछ बालकों में जन्म से शरीर के किसी अंग में दोष होता है, बाद में किसी बीमारी, दुर्घटना, आघात या चोट लग जाने के कारण उनके शरीर में अंग दोष आ जाता है, उन्हें विकलांग बालक कहते हैं। **क्रो एण्ड क्रो** के अनुसार, एक व्यक्ति जिसमें कोई इस प्रकार का शारीरिक दोष होता है, जो किसी भी रूप में उसे सामान्य क्रियाओं में भाग लेने से रोकता है या उसे सीमित रखता है, हम उसे विकलांग व्यक्ति कह सकते हैं।

विकलांग बालकों के प्रकार :



विकलांग बालकों की शिक्षा

विकलांग बालकों की शिक्षा या नियोजन इस प्रकार होना चाहिए-

- अपंग बालकों की शिक्षा :** अपंग बालकों में शारीरिक दोष होता है, किन्तु उनकी मानसिक योग्यता या तो साधारण होती है या तीव्र । वे मन्दबुद्धि हों, यह आवश्यक नहीं । शारीरिक कमी के कारण-हीन भावना जाग्रत हो जाती है। इनकी शिक्षा हेतु निम्न बातों पर ध्यान दें-
 - विशिष्ट प्रकार के विद्यालयों का संगठन करें, कमरे उपयुक्त हो, उचित प्रकार की बैठने की व्यवस्था हो ताकि वे आराम से बैठ सकें।
 - डाक्टरों व विशेषज्ञों की राय लें उसकी संभव चिकित्सा हेतु यंत्रों व साधनों का प्रयोग करें।
 - सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें।
 - पाठ्यक्रम साधारण व कम हो, उपयुक्त व्यावसायिक शिक्षा दें।
 - मानसिक विकास के पूर्ण अवसर दें।
 - शिक्षण विधि सरल व रोचक, क्रियात्मक ढंग से, धीमी गति में शिक्षा दें।
- अंधे व अर्ध-अंधे बालकों की शिक्षा :** पूर्ण अंधे बालकों के लिए सामान्य प्रणाली काम नहीं आती, विशेष शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की गई है जहाँ ब्रेल (Brail) प्रणाली से शिक्षा दी जाती है।
 - समाज व जीवन में समायोजन हेतु संगीत या हस्तकला की शिक्षा दें।
 - अर्ध-अंधों के उपचार की व्यवस्था, कक्षा में उचित रोशनी, पुस्तक ठीक से पकड़ने की आदत डालें । कक्षा में आगे बैठाएँ।
- बहरे या अर्ध-बहरे :** कुछ बालक जन्म से बहरे व गूंगे होते हैं। इनके लिए अलग विद्यालय की स्थापना की जाये जहाँ गूंगे व बहरे शिक्षा प्राप्त कर सकें।
 - जो बालक कुछ बहरे हैं, उन्हें साधारण बालकों के साथ बैठकर शिक्षा दी जा सकती है। उन्हें कक्षा में आगे बैठाएँ, विशेष ध्यान दें व कर्ण यंत्रों का प्रयोग करायें।
- दोषयुक्त वाणी वाले बालकों की शिक्षा :** वाणी दोष के शारीरिक व मनोवैज्ञानिक दोनों कारण हैं। इन्हें दूर करने के निम्न उपाय अपनाएँ:
 - शल्य चिकित्सा द्वारा भी दोष निवारण संभव है।
 - घर का वातावरण दोषपूर्ण ना हो, उचित पौष्टिक भोजन की व्यवस्था ।
 - अभिभावकों व शिक्षकों को विशेष ध्यान देना चाहिए । अशुद्ध उच्चारण को प्यार से ठीक करायें, चिढ़ाना या हँसना नहीं चाहिये।
- कोमल व निर्बल बालकों की शिक्षा :** ये रोग से ग्रस्त नहीं होते, बल्कि परिश्रम करने से ऐसा बन जाते हैं, अपने स्वास्थ्य को प्रति सदा सचेत रहते हैं। निम्न बातों पर ध्यान दें-
 - परिवार में विशेष ध्यान, पौष्टिक भोजन का प्रबंध।
 - शारीरिक जांच समय-समय पर कराई जाये व उचित चिकित्सा व्यवस्था हो।
 - बालक की शक्तिनुसार पाठ्यक्रम व खेलकूद की व्यवस्था हो ।
 - शिक्षण में खेल विधि तथा दृश्य-श्रव्य विधियों का प्रयोग करें।
 - अभिभावक व शिक्षक स्नेह व सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. निम्न में से कौन-सा बुद्धिमान बच्चे का लक्षण नहीं है? [CTET-2011-I]
 - (a) वह जो अमूर्त रूप से सोचता रहता है
 - (b) वह जो नए परिवेश में स्वयं को समायोजित कर सकता है
 - (c) वह जो लम्बे निबन्धों को बहुत जल्दी रटने की क्षमता रखता है
 - (d) वह जो प्रवाहपूर्ण एवं उचित तरीके से संप्रेषण करने की क्षमता रखता है।
2. निम्न में से कौन सा शिक्षार्थियों में सृजनात्मकता को पोषण करता है? [CTET-2011-I]
 - (a) विद्यालयी जीवन के प्रारम्भ से उपलब्धि के लक्ष्यों पर बल देना
 - (b) परीक्षा में अच्छे अंकों के लिए विद्यार्थियों की कोचिंग करना
 - (c) अच्छी शिक्षा के व्यावहारिक मूल्यों के लिए विद्यार्थियों का शिक्षण
 - (d) प्रत्येक शिक्षार्थी की अन्तर्जात प्रतिभाओं का पोषण करने एवं प्रश्न करने के अवसर उपलब्ध कराना।
3. विशेष रूप से प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थियों की सीखने सम्बंधी समस्याओं को सम्बोधित करने का सबसे बेहतर तरीका है- [CTET-2011-I]
 - (a) सरल और रोचक पाठ्य-पुस्तकों का प्रयोग करना
 - (b) कहानी-कथन पद्धति का प्रयोग करना
 - (c) अक्षमता के अनुरूप विभिन्न शिक्षण-पद्धतियों का प्रयोग करना
 - (d) महँगी और चमकदार सहायक सामग्री का प्रयोग करना।
4. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराई जानी चाहिए- [CTET-2011-I]
 - (a) विशेष विद्यालयों में
 - (b) विशेष विद्यालयों में विशेष शिक्षकों द्वारा
 - (c) अन्य सामान्य बच्चों के साथ
 - (d) विशेष विद्यालयों में विशेष बच्चों के लिए विकसित पद्धतियों द्वारा।
5. 'डिस्टोक्सिया' किससे सम्बोधित है? [CTET-2011-I]
 - (a) पठन विकार
 - (b) व्यवहार-सम्बन्धी विकार
 - (c) मानसिक विकार
 - (d) गणितीय विकार।
6. 'प्रतिभाशाली' होने का संकेत नहीं है- [CTET-2011-I]
 - (a) अभिव्यक्ति में नवीनता
 - (b) जिज्ञासा
 - (c) सृजनात्मक विचार
 - (d) दूसरों के साथ झगड़ना।
7. पाँचवीं कक्षा के 'दृष्टिबाधित' विद्यार्थी-
 - (a) के साथ कक्षा में सामान्य रूप से व्यवहार किया जाना चाहिए और श्रव्य सी.डी. के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए [CTET-2011-I]
 - (b) के साथ कक्षा में विशेष व्यवहार किया जाना चाहिए
 - (c) को निचले स्तर के कार्य करने की छूट मिलनी चाहिए
 - (d) के माता-पिता और मित्रों द्वारा उसे दैनिक कार्यों को करने में सहायता की जानी चाहिए।
8. एक शिक्षक अपने लोकतांत्रिक स्वभाव के कारण विद्यार्थियों को पूरी कक्षा में कहीं भी बैठने की अनुमति देता है, कुछ शिक्षार्थी एक-साथ बैठते हैं और चर्चा करते हैं या सामूहिक पठन करते हैं, कुछ चुपचाप बैठकर अपने-आप पढ़ते हैं, एक अभिभावक को यह पसन्द नहीं आता। इस स्थिति से निबटने का निम्न में से कौन-सा तरीका सबसे बेहतर हो सकता है? [CTET-2011-I]
 - (a) अभिभावकों को शिक्षक पर विवास व्यक्त करना चाहिए और शिक्षक के साथ समस्या पर चर्चा करनी चाहिए
 - (b) अभिभावकों को उस विद्यालय से अपने बच्चे को निकाल लेना चाहिए
 - (c) अभिभावकों को प्रधानाचार्य से शिक्षक की शिकायत करनी चाहिए
 - (d) अभिभावकों को प्रधानाचार्य से अनुरोध करना चाहिए कि वे उनके बच्चे का अनुभाग बदल दें।

9. कृतिका अक्सर घर में ज्यादा बात नहीं करती, लेकिन विद्यालय में वह काफी बात करती है। यह दर्शाता है कि- [CTET-2011-I]
- कृतिका को अपना घर बिल्कुल पसन्द नहीं है
 - उसके विचारों को विद्यालय में मान्यता मिलती है
 - विद्यालय हर समय बच्चों को खूब बात करने का अवसर देता है
 - शिक्षकों की यह मौज होती है कि बच्चे विद्यालय में खूब बात करें।
10. भारतीय समाज की बहुभाषिक विशेषता कोदेखा जाना चाहिए। [CTET-2011-II]
- शिक्षार्थियों के लिए विद्यालयी जीवन को एक जटिल अनुभव के रूप में बनाने के एक कारक के रूप में
 - शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में बाधा के रूप में
 - विद्यालयी जीवन को समृद्ध बनाने के संसाधन के रूप में
 - विद्यार्थियों को सीखने के लिए अभिप्रेरित करने हेतु शिक्षक-योग्यता की चुनौती के रूप में।
11. निःशक्त बच्चों के लिए समेकित शिक्षा की केंद्रीय प्रायोजित योजना का उद्देश्य है.....में निःशक्त, बच्चों को शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराना। [CTET-2011-II]
- 'ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन' के विद्यालयों
 - नियमित विद्यालयों
 - विशेष विद्यालयों
 - मुक्त विद्यालयों।
12. सृजनात्मक शिक्षार्थी वह है जो-
- पाश्र्व (लैट्रल) चिंतन और समस्या समाधान में अच्छा है [CTET-2011-II]
 - डाइंग और पेंटिंग में बहुत विलक्षण है
 - बहुत बुद्धिमान है
 - परीक्षा में हर बार अच्छे अंक प्राप्त करने के योग्य है।
13. इरफान खिलौनों को तोड़ता है और उसके पुर्जों को देखने के लिए उन्हें अलग-अलग कर देता है। आप क्या करेंगे? [CTET-2011-II]
- उसे समझाएंगे कि खिलौनों को तोड़ना नहीं चाहिए
 - इरफान को खिलौनों से कभी भी नहीं खेलने देंगे
 - उस पर हमेशा नजर रखेंगे
 - उसके जिज्ञासु स्वभाव को प्रोत्साहित करेंगे और उसकी ऊर्जा को सही दिशा में संचरित करेंगे।
14. एक शिक्षिका अपनी कक्षा के प्रतिभाशाली बच्चों की योग्यताओं (potential) की उपलब्धता चाहती है। अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उसे निम्नलिखित में से क्या नहीं करना चाहिए? [CTET-2011-II]
- उनकी सृजनात्मकता को समृद्ध करने के लिए उन्हें चुनौती देना
 - गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में आनंद लेना सिखाना
 - तनाव को नियंत्रित करना सिखाना
 - विशेष ध्यान के लिए उन्हें उनके समकक्षियों से अलग कराना।
15. छोटे शिक्षार्थियों में निम्नलिखित में से कौन-सा लक्षण 'पठन-कठिनाई' का नहीं है? [CTET-2011-II]
- सुसंगत वर्तनी में कठिनाई
 - वर्ण एवं शब्द पहचान में कठिनाई
 - पठन-गति और प्रवाह में कठिनाई
 - शब्दों और विचारों को समझने में कठिनाई
16. निःशक्त बालकों की शिक्षा के लिए प्रावधान किया जा सकता है- [RTET-2011-I]
- समावेशित शिक्षा द्वारा
 - मुख्य धारा में डालकर
 - समाकलन द्वारा
 - इनमें से कोई नहीं।

17. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने में से कौन-सी व्यूह-रचना अधिक उपयुक्त है?
[RJET-2011-II]
- अधिकतम बच्चों को सम्मिलित करते हुए कक्षा में चर्चा करना
 - विद्यार्थियों को सम्मिलित करते हुए अध्यापक निर्देशन
 - सहकारी अधिगम तथा पीअर ट्यूटोरिंग (सहपाठियों द्वारा अनुशिक्षण)
 - अध्यापन के लिए योग्यता आधारित समूहीकरण।
18. समस्या के अर्थ को जानने की योग्यता, वातावरण के दोषों, कर्मियों एवं रिक्रियों के प्रति सजगता विशेषता है-
[RJET-2011-II]
- प्रतिभाशाली बालकों की
 - सामान्य बालकों की
 - सुजनशील बालकों की
 - इनमें से कोई नहीं।
19. अधिगम निर्णायकता का लक्षण है-
[RJET-2011-II]
- भागने की प्रवृत्ति होना
 - अशान्त, ऊर्जावान एवं विध्वंसक होना
 - अवधान सम्बन्धी बाधा / विकार
 - अभिप्रेरणा का अभाव।
20. सुजनशीलता के पोषण के लिए एक अध्यापक को निम्न में से किस विधि की सहायता लेनी चाहिए ?
[RJET-2011-II]
- ब्रेन स्टार्मिंग / विचारवेध
 - व्याख्यान विधि
 - दृश्य-श्रव्य सामग्री
 - इनमें से सभी।
21. कक्षा पाँच के न्यून दृष्टि वाले बच्चे को-
[UPTET-2011-II]
- निम्न स्तर के कार्य करने के लिए माफ करना उचित है
 - उसके दैनिक कार्य में उसके माता-पिता तथा मित्रों को सहायता करनी चाहिए
 - कक्षा में सामान्य रूप से बताव करना चाहिए एवं आँखों की सही देखरेख सहायता प्रदान करनी चाहिए
 - कक्षा में विशेष बताव करना चाहिए।
22. आप एक अतिसक्रिय बालक को कैसे सही दिशा में लायेंगे?
[UPTET-2011-II]
- उसे पहली पॉक में बैठाएँगे तथा उस पर कड़ी नजर रखेंगे
 - उसे कक्षा के कोने में बैठने की जगह निर्धारित करेंगे
 - उसे रयामपट्ट आदि साफ करने का काम देंगे
 - इनमें से कोई नहीं।
23. पृथक-पृथक समाजातीय समूहों के व्यक्तियों के प्रति बच्चों की अभिवृत्ति साधारणतया आधारित होती है-
[UPTET-2011-II]
- उनके अभिभावकों की चितवृत्ति पर
 - उनमें समकक्षियों की अभिवृत्ति पर
 - दूरदर्शन के प्रभाव पर
 - उनके सहोदरों की अभिवृत्ति पर।
24. आपको अपनी कक्षा में दो मंदबुद्धि बच्चों को बैठाने के लिए बोला गया है। आप-
- उन्हें अपने विद्यार्थी के रूप में ग्रहण करने से इनकार करेंगे [UPTET-2011-II]
 - प्रधानाध्यापक को उन्हें किसी और कक्षा जो कि मंदबुद्धि बालकों के लिए विशेष रूप से चिह्नित है, में बैठाने के लिए बोलेंगे
 - ऐसे विद्यार्थियों को सिखाने की तकनीक सीखेंगे
 - इनमें से कोई नहीं।
25. समन्वित शिक्षा की सफलता निर्भर करता है-
[UPTET-2011-II]
- समुदाय के समर्थन पर
 - पाठ्यपुस्तकों की उत्कृष्टता पर
 - शिक्षण अधिगम वस्तु की गुणवत्ता पर
 - शिक्षकों में अभिवृत्तिगत परिवर्तन पर।
26. विद्यालय से विद्यार्थियों के भाग जाने का कारण है-
[UPTET-2011-II]
- कक्षा शिक्षण में रुचि का अभाव
 - विद्यार्थियों में अध्ययन में रुचि का अभाव
 - विद्यार्थियों को दण्ड नहीं देना
 - समस्या के प्रति शिक्षकों की निर्दय अभिवृत्ति।

27. शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए-
[UPTET-2011-II]
- विद्यार्थियों में व्यावसायिक कुशलता का विकास करना
 - विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता का विकास करना
 - विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए तैयार करना
 - व्यावहारिक जीवन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना।
28. सामाजार्थिक मुद्दों से जूझ रहे उन बच्चों को जिनकी प्रतिभा प्रभावित हो सकती है को सहायता करता है। [CGTET-2011-II]
- स्व-अधिगम मॉडल
 - विभेदित निर्देश
 - पाठ्यचर्या का विस्तार
 - संज्ञानात्मक वर्गीकरण।
29. "सीखने का वह मॉडल" जो बच्चों की सृजनात्मकता को उत्प्रेरित करता है-
[CGTET-2011-II]
- बैंकिंग मॉडल
 - रचनावादी मॉडल
 - प्रोग्रामिंग मॉडल
 - उपरोक्त में कोई नहीं।
30. जन्म के समय लगी चोट या भ्रूण क्षति को बजह से आई मानसिक मंदता कहलाती है-
[CGTET-2011-II]
- जैविक मंदता
 - पारिवारिक मंदता
 - आकस्मिक मंदता
 - चिकित्सा मंदता-
31. श्रवणबाधित बच्चों को पढ़ाने के लिए क्या प्रयुक्त की जाती है? [CGTET-2011-II]
- ब्रेललिपि
 - सांकेतिक भाषा
 - यंत्र
 - उपरोक्त सभी
32. निम्न में से कौन-सा विशिष्ट अधिगम विकलांगता का उदाहरण है? [CGTET-2011-II]
- मानसिक मंदता
 - डिस्ट्रेक्सिया
 - एटेंशन डेफिसिट हाइपर डिसऑर्डर
 - ऑटिज्म
33. समावेशी शिक्षा- [CTET-Jan. 2012-I]
- दाखिले सम्बन्धी कठोर प्रक्रियाओं को बढ़ावा देती है
 - तथ्यों की शिक्षा (मतारोपण) से सम्बन्धित है
 - हाशिए पर स्थित वर्गों से शिक्षकों को सम्मिलित करने से सम्बन्धित है
 - कक्षा में विविधता का उत्सव मनाती है।
34. जब बच्चा 'फेल' होता है, तो इसका तात्पर्य है कि- [CTET-Jan. 2012-I]
- बच्चे को प्राइवेट ट्यूशन लेनी चाहिए थी
 - व्यवस्था फेल हुई है
 - बच्चा पढ़ाई के लिए योग्य नहीं है
 - बच्चे ने उत्तरों को सही तरीके से याद नहीं किया है
35. जब एक नियाँय बच्चा पहली बार विद्यालय आता है, तो शिक्षक को क्या करना चाहिए? [CTET-Jan. 2012-I]
- उसे अन्य विद्यार्थियों से अलग रखना चाहिए
 - सहकारी योजना विकसित करने के लिए बच्चे के माता-पिता के साथ चर्चा करनी चाहिए
 - प्रवेश-परीक्षा लेनी चाहिए
 - बच्चे की नियाँयता के अनुसार उसे विशेष विद्यालय में भेजने का प्रस्ताव देना चाहिए।
36. सृजनात्मकता मुख्य रूप से से सम्बन्धित है। [CTET-Jan. 2012-II]
- मॉडलिंग
 - अनुकरण
 - अभिप्राय चिन्तन
 - अपसारी (बहुविध) चिन्तन।
37. विज्ञान एवं कला प्रदर्शनियाँ, संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियाँ तथा विद्यालय-पत्रिका निकालना, के लिए हैं। [CTET-Jan. 2012-II]
- शिक्षार्थियों को सृजनात्मक मार्ग उपलब्ध कराने
 - विभिन्न व्यवसायों के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने
 - विद्यालय का नाम रोशन करने
 - अभिभावकों को सन्तुष्ट करने।

38. जब एक शिक्षिका दृष्टिबाधित शिक्षार्थी को कक्षा के अन्य शिक्षार्थियों के साथ सामूहिक गतिविधियों में शामिल करती है, तो वह-

[CTET-Jan. 2012-II]

- (a) कक्षा के लिए सीखने हेतु बाधाएँ उत्पन्न कर रही है
(b) समावेशी शिक्षा को भावना के अनुसार कार्य कर रही है
(c) सभी शिक्षार्थियों में दृष्टिबाधित शिक्षार्थी के प्रति सहानुभूति विकसित करने में मदद कर रही है
(d) दृष्टिबाधित शिक्षार्थी पर सम्भवतः तनाव बढ़ा रही है।

39. समावेशी शिक्षा उस विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था को ओर संकेत करती है- [CTET-Jan. 2012-II]

- (a) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को विशिष्ट विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा देने को प्रोत्साहित करती है
(b) केवल बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने को आवश्यकता पर बल देती है
(c) जो सभी नियोग्य बच्चों को शामिल करती है
(d) जो उनको शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, भाषिक या अन्य विभिन्न योग्यता स्थितियों को ध्यान में रखे बिना सभी बच्चों को शामिल करती है।

40. श्रवण ह्रास से ग्रसित बच्चे कक्षा में किस सबसे मुख्य नैराश्य (कुण्ठा) का सामना करते हैं?

[CTET-Jan. 2012-II]

- (a) दूसरों के साथ सम्प्रेषण करने तथा सूचनाओं को बँटने में अक्षमता
(b) दूसरे विद्यार्थियों के साथ परीक्षा देने में अक्षमता
(c) प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तक को पढ़ने की अक्षमता
(d) खेल-कूद में भागीदारीता निभाने में अक्षमता।

41. 'डिस्टॉक्सिया' मुख्य रूप से की समस्या से सम्बन्धित है। [CTET-Jan. 2012-II]

- (a) सुनने (b) पढ़ने
(c) बोलने (d) बोलने व सुनने।

42. प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को तब विकसित कर पाएँगे जब-

[CTET-Jan. 2012-II]

- (a) बार-बार उनकी परीक्षा होगी
(b) वे अन्य विद्यार्थियों के साथ अधिगम-प्रक्रिया से जुड़ते हैं
(c) उन्हें अन्य विद्यार्थियों से अलग किया जाएगा
(d) वे निजी कोचिंग कक्षाओं में पढ़ेंगे।

43. शिक्षक की सबसे मुख्य जिम्मेदारी है-

- (a) पाठ-योजना तैयार करना और उसके अनुसार पढ़ाना [CTET-May-2012-II]
(b) यथासंभव क्रियाकलापों का आयोजन करना
(c) कठोर अनुशासन बनाए रखना
(d) विद्यार्थियों की विभिन्न अधिगम शैलियों के अनुसार सीखने के मौके उपलब्ध कराना।

44. समावेशी शिक्षा में शिक्षक को सबसे कम महत्वपूर्ण विशेषता कौन-सी है? [CTET-May-2012-II]

- (a) बच्चों के प्रति संवेदनशीलता
(b) विद्यार्थियों के लिए लगाव और धैर्य
(c) विद्यार्थियों की अक्षमताओं का ज्ञान
(d) शिक्षक का सामाजिक-आर्थिक स्तर।

45. कक्षा में तीन बच्चे पोलियो-ग्रस्त हैं। खेल के कालांश में उन्हें- [CTET-May-2012-II]

- (a) एक कोने में बैठाया चाहिए ताकि वे खेल का आनंद ले सकें
(b) अन्य बच्चों के साथ उचित खेलों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए
(c) केवल आंतरिक (indoor) खेलों में हिस्सा लेने की अनुमति देनी चाहिए
(d) कक्षा के सभी विद्यार्थियों के साथ खेलने के लिए ज़ोर डालना चाहिए।

46. एक शिक्षक सामान्यतः विद्यार्थियों को अलग-अलग कार्य देता / देती है। वह यह विश्वास करता/ करती है कि- [CTET-May-2012-II]

- (a) विद्यार्थी एक जैसे कार्य सभी विद्यार्थियों के दिए जाने को पसंद नहीं करते
(b) यह विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाता है
(c) विद्यार्थियों में वैयक्तिक अंतर होते हैं
(d) विद्यार्थी एक-दूसरे के कार्य को नकल नहीं कर सकेंगे।

47. समावेशी कक्षा में निम्नलिखित में से सबसे कम महत्वपूर्ण क्या है? [CTET-May-2012-II]
- प्रतियोगिता और ग्रेडों पर कम बल
 - अधिक सहकारी एवं सहयोगात्मक गतिविधि
 - विद्यार्थियों के लिए अधिक विकल्प
 - कोर्स को "पूरा करने के लिए" शिक्षकों द्वारा अधिक प्रयास।
48. सफल समावेशन को निम्नलिखित की आवश्यकता होती है, सिवाय- [CTET-Nov. 2012-I]
- अभिभावकों को भागीदारी
 - क्षमता-संबर्द्धन
 - संवेदनशील बनाना
 - पृथक्करण।
49. विद्यालय में नियमित उपस्थिति के लिए वींचत बच्चों को प्रोत्साहित करने का निम्नलिखित में से कौन-सा तरीका सर्वाधिक उपयुक्त होगा? [CTET-Nov. 2012-II]
- विद्यालय द्वारा बच्चों को एकत्रित करने वाले एक व्यक्ति को नियुक्त किया जाए जो प्रतिदिन घरों से बच्चों को लेकर आए
 - बच्चों को आकर्षित करने के लिए प्रति दिन रु. 5 देना
 - आवासीय विद्यालय खोलना
 - बच्चों को विद्यालय आने की अनुमति न देने को कानून दंडनीय अपराध बनाया जाए।
50. प्रतिभाशाली विद्यार्थी- [CTET-Nov. 2012-I]
- अपनी आवश्यकताओं को दृढ़तापूर्वक नहीं कह पाते
 - अपने निर्णयों में आत्मनिर्भर होते हैं
 - शिक्षकों से स्वतंत्र होते हैं
 - स्वभाव में अंतर्मुखी होते हैं।
51. सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में निष्पादन के आधार पर शैक्षणिक क्षेत्रों में निष्पादन के स्तर को बढ़ाने का औचित्य स्थापन किस आधार पर किया जा सकता है? [CTET-Nov.-2012-II]
- यह हाशियारहित विद्यार्थियों के लिए प्रतिभूक भेदभाव की नीति का अनुगमन करता है
 - यह सार्वभौमिक धारण (retention) को सुनिश्चित करता है
 - यह हाथ से किए जाने वाले श्रम के प्रति सम्मान विकसित करता है
 - यह वैयक्तिक भिन्नताओं को संतुष्ट करता है।
52. एक बच्चा जो.....से ग्रस्त है, वह 'saw' और 'was', 'nuclear' और 'unclear' में अंतर नहीं कर सकता। [CTET-Nov. 2012-I]
- डिस्लेक्सिया
 - डिस्मोर्फोमिया
 - डिस्लेक्सिया
 - शब्द 'जंबलिंग' विकार।
53. सोखने-संबंधी नियोग्यताएँ सामान्यतः- [CTET-Nov. 2012-II]
- अधिकतर उन बच्चों में पाई जाती है जो शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों से सम्बन्ध रखते हैं
 - उन बच्चों में पाई जाती है, विशेषतः जिनके पैतृक अभिभावक इस प्रकार की समस्याओं से ग्रस्त होते हैं
 - औसत से श्रेष्ठ बुद्धि-लाभ वाले बच्चों में पाई जाती है
 - लड़कियों को तुलना में अधिकतर लड़कों में पाई जाती है।
54. शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों को सामान्यतः.....होता है। [CTET-Nov. 2012-I]
- डिस्लेक्सिया
 - डिस्मोर्फोमिया
 - डिस्लेक्सिया
 - डिस्लेक्सिया
55. निम्नलिखित में से अंतःविषयी अनुदेशन का सर्वोत्कृष्ट लाभ यह है कि- [CTET-Nov. 2012-I]
- प्रकरणों की विविधता, जिन्हें परंपरागत पाठ्यचर्या में संबोधित किए जाने की आवश्यकता है, से शिक्षकों को अभिभूत होने की कम संभावना होती है
 - विद्यार्थियों में विभिन्न विषय-क्षेत्रों को विशेष प्रकरणों के प्रति नापसंदगी विकसित होने की कम संभावना होती है

- (c) पाठ-योजना बनाने और गतिविधियों में शिक्षकों को अधिक लचीलेपन की अनुमति होती है
- (d) विद्यार्थियों को सीखे गए नए ज्ञान का बहु-संदर्भों में अनुप्रयोग करने और सामान्यीकृत करने के अवसर दिए जाते हैं।
56. सी.बी.एस.ई. द्वारा प्रस्तावित समूह-परियोजना गतिविधि _____ का एक सशक्त साधन है।
[CTET-Nov. 2012-II]
- (a) अनेकता में एकता की संकल्पना का प्रचार-प्रसार करने
- (b) सामाजिक भागीदारीता को सुगम बनाने
- (c) शिक्षकों के भार को हलका करने
- (d) रोजमर्रा के शिक्षण से होने वाले तनाव को दूर करने।
57. मिश्रित आयु-वर्ग वाले विद्यार्थियों की कक्षा से व्यवहार रखने वाले शिक्षक के लिए _____ का ज्ञान सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।
[CTET-Nov. 2012-II]
- (a) सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि
- (b) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- (c) विकासात्मक अवस्थाओं
- (d) उनके अभिभावकों का व्यवसाय।
58. प्रतिभाशाली बच्चों- [CTET-Nov. 2012-II]
- (a) मानव के लिए महत्वपूर्ण किसी भी क्षेत्र में अस्थायित्व: अच्छा निष्पादन करते हैं
- (b) सामान्यतः शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं और सामाजिक अंतःक्रिया में अच्छे नहीं होते
- (c) सामान्यतः अपने शिक्षकों को पसंद नहीं करते
- (d) बिना किसी की सहायता के अपने सामर्थ्य का पूर्ण विकास करते हैं।
59. प्रतिभाशाली बच्चों के संदर्भ में संवर्द्धन (acceleration) का अर्थ है-
[CTET-Nov. 2012-II]
- (a) आकलन की प्रक्रिया का संवर्द्धन करना
- (b) शैक्षणिक गतिविधियों के संपादन में संवर्द्धन
- (c) सह-शैक्षणिक गतिविधियों के संपादन की गति को बढ़ाना
- (d) ऐसे विद्यार्थियों को वर्तमान स्तर/ग्रेड को छोड़कर अगले उच्च स्तर/ग्रेड में प्रोन्नत करना।
60. एकल अभिभावक वाले बच्चे को पढ़ाते समय शिक्षक को- [CTET-Nov. 2012-II]
- (a) इस तथ्य को अनदेखा करना चाहिए और ऐसे बच्चे के साथ अन्य बच्चों के समान व्यवहार करना चाहिए
- (b) इस प्रकार के बच्चे के साथ भिन्न प्रकार से व्यवहार करना चाहिए
- (c) ऐसे बच्चे को कम गृहकार्य देना चाहिए
- (d) स्थिर और एकरूप वातावरण उपलब्ध करना चाहिए।
61. प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि सर्वाधिक उपयुक्त है?
[CTET-Nov. 2012-II]
- (a) दी गई संकल्पनाओं के आधार पर मौलिक नाटक लिखना
- (b) पाँच पाठों के अंत में दिए गए अभ्यासों को एक बार में हल करना
- (c) शिक्षक दिवस पर कक्षा को पढ़ाना
- (d) अभी हाल ही में हुए स्कूल मैच का प्रतिवेदन लिखना।
62. शिक्षा के दो प्रमुख उद्देश्य हैं [HTET 2012-I]
- (a) बालकों में विषयों का ज्ञान व उनका मानसिक विकास करना
- (b) विषयों का ज्ञान देना व परीक्षा के लिए तैयार करना
- (c) विषयों का ज्ञान देना व उनको कठस्थ करवाना
- (d) विषयों का ज्ञान देना व व्यावसायिक कौशल का विकास करना।
63. बालक विविध प्रकार से सीखते हैं- [HTET-2012-II]
- (a) शिक्षक के भाषण द्वारा
- (b) प्रयोग द्वारा, विवेचन द्वारा, प्रश्न पूछकर, क्रिया करके तथा चिन्तन करके
- (c) शिक्षक द्वारा निर्देशित, नियंत्रित पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षण द्वारा
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

64. सुजनशील बालक के बारे में कौन-सा कथन सत्य नहीं है? [HJET-2012-I]

- (a) सुजनशील बालक जिज्ञासु होता है
- (b) सुजनशील बालक साहसी नहीं होता है
- (c) सुजनशील बालक बहिर्मुखी होता है
- (d) सुजनशील बालक महत्वाकांक्षी होता है।

65. थ, फ, च ध्वनियाँ हैं- [CTET-2013-I]

- (a) रूपिम (b) लेखीम
- (c) शब्दिम (d) स्वनिम

66. एक शिक्षिका की कक्षा में कुछ शारीरिक विकलांगता वाले बच्चे हैं। निम्नलिखित में से उसके लिए क्या कहना सबसे उचित होगा? [CTET-2013-I]

- (a) पहिया-कुर्सी वाले बच्चे हॉल में जाने के लिए अपने समयवस्त्र साथी बच्चों से मदद ले सकते हैं
- (b) शारीरिक रूप से असुविधाग्रस्त बच्चे कक्षा में हो कर ई वैकल्पिक गतिविधि कर सकते हैं
- (c) मोहन खेल के मैदान में जाने के लिए आप अपनी बैसाखियों का प्रयोग क्यों नहीं करते?
- (d) पोलियोग्रस्त बच्चे अब एक गाना प्रस्तुत करेंगे।

67. एक समावेशी विद्यालय- [CTET-2013-I]

- (a) शिक्षार्थियों की क्षमताओं की परवाह किए बिना सभी के अधिगम-परिणामों को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध होता है
- (b) शिक्षार्थियों के मध्य अंतर करता है और विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए कम चुनौतीपूर्ण उपलब्धि लक्ष्य निर्धारित करता है
- (c) विशेष रूप से योग्य शिक्षार्थियों के अधिगम-परिणामों को सुधारने के लिए विशिष्ट रूप से प्रतिबद्ध होता है
- (d) शिक्षार्थियों की नियोग्यता के अनुसार उनको सीखने की आवश्यकताओं को निर्धारित करता है

68. प्रतिभाशाली शिक्षार्थी (को) - [CTET-2013-I]

- (a) ऐसे सहयोग की आवश्यकता होती है जो सामान्यतः विद्यार्थियों द्वारा उपलब्ध नहीं कराए जाते
- (b) शिक्षक के बिना अपने अध्ययन को व्यवस्थित कर लेते हैं

(c) अन्य शिक्षार्थियों के लिए अच्छे मॉडल बन सकते हैं

(d) अधिगम-नियोग्य नहीं हो सकते।

69. के कारण प्रतिभाशालिता होती है। [CTET-2013-I]

- (a) आनुवंशिक रचना
- (b) वातावरणीय अभिप्रेरण
- (c) (a) और (b) का संयोजन
- (d) मनो-सामाजिक कारकों।

70. गतिक कौशलों में अधिगम नियोग्यता कहलाती है। [CTET-2013-I]

- (a) डिस्प्लेक्सिया (b) डिस्कैल्कुलिया
- (c) डिस्टोक्सिया (d) डिस्प्रेतिया

71. अधिगम नियोग्यता [CTET-2013-I]

- (a) एक स्थिर अवस्था है।
- (b) एक चर अवस्था है।
- (c) जरूरी नहीं कि कार्य-पद्धति की हानि करे।
- (d) समुचित निवेश के साथ सुधार योग्य नहीं होती।

72. के अतिरिक्त निम्नलिखित समस्या-समाधान की प्रक्रिया के चरण हैं- [CTET-2013-I]

- (a) समस्या की पहचान
- (b) समस्या का छोटे हिस्सों में बाँटना
- (c) संभावित युक्तियों को खोजना
- (d) परिणामों की आशा करना।

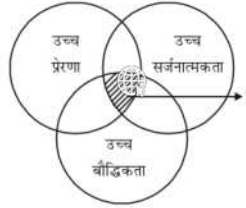
73. सीमा परीक्षा में A+ ग्रेड प्राप्त करने के लिए अति इच्छुक है। जब वह परीक्षा भवन में दाखिल होती है तब परीक्षा प्रारंभ होती है, वह अत्यधिक नर्वस हो जाती है। उसके पाँच ठंडे पड़ जाते हैं, उसके हृदय की धड़कन बहुत तेज हो जाती है और वह उचित तरीके से उत्तर नहीं दे पाती। इसका मुख्य कारण हो सकता है- [CTET-2013-I]

- (a) शायद वह अपनी तैयारी के बारे में बहुत आत्मविश्वासी नहीं है
- (b) शायद वह इस परीक्षा के परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचती है
- (c) निरीक्षक शिक्षिका जो ड्यूटी पर है, वह उसकी कक्षा अध्यापिका हो सकती है और वह स्वभाव में बहुत कठोर है
- (d) शायद वह अकस्मात् संवेगात्मक आवेग का सामना नहीं कर सकती

74. निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य है?

[CTET-2013-I]

- विकास और सीखना समाज-सांस्कृतिक संदर्भों से अप्रभावित रहते हैं।
- शिक्षार्थी एक निश्चित तरीके से सीखते हैं।
- खेलना संज्ञान और सामाजिक दक्षता के लिए सार्थक है।
- शिक्षक द्वारा प्रश्न पूछना संज्ञानात्मक विकास में बाधक है।



75. निम्नलिखित में से कौन-से युग्म के सही होने की संभावना सबसे कम है? [CTET-2013-II]

- बच्चे भाषा के बारे में निश्चित ज्ञान के साथ प्रवेश करते हैं — चॉम्पकी
- भाषा और विचार प्रारंभ में दो भिन्न गतिविधियाँ हैं — वाइगोट्स्की
- भाषा विचार पर आधारित है — पियाजे
- भाषा वातावरण में एक उद्दीपक है — बी.एफ. स्किनर

76. एक समावेशी विद्यालय के अतिरिक्त निम्नलिखित सभी प्रश्नों पर मनन करता है— [CTET 2013-II]

- क्या हम यह विश्वास करते हैं कि सभी शिक्षार्थी सीख सकते हैं?
- क्या हम अधिगमयोग्य परिवेश की योजना बनाने और उसे प्रदान करने के लिए समूह में कार्य करते हैं?
- क्या हम विशेष बालक को बेहतर देखभाल उपलब्ध कराने के लिए उचित तरीके से उन्हें सामान्य से अलग करते हैं?
- क्या हम शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए युक्तियाँ अपनाते हैं?

77. प्रतिभाशाली शिक्षार्थी हैं। [CTET-2013-II]

- अभिप्राय चिंतक
- अपसारी चिंतक
- बहिर्मुखी
- बहुत परिश्रमी

78. छात्रकति क्षेत्र सामान्य वितरण में उन शिक्षार्थियों को प्रदर्शित करता है जो में आते हैं। [CTET 2013-II]

(a) $\sigma = 0$ पर (b) $2\sigma-3\sigma$ के बीच

(c) 3σ के बाद (d) $\sigma-2\sigma$ के बीच

79. सी.बी.एस.ई. शिक्षार्थियों के लिए व्यक्तिगत गतिविधियों के स्थान पर समूहिक गतिविधियों को संस्तुति करती है। ऐसा करने के पीछे विचार होसकता है— [CTET-2013-II]

(a) व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा के प्रति नकारात्मक संवेगात्मक प्रतिक्रियाओं से उबारना जो संपूर्ण अधिगम पर सामान्यीकृत हो सकती है।

(b) प्रत्येक शिक्षार्थी के स्थान पर समूह में अवलोकन द्वारा शिक्षक के कार्य को सरल बनाने के लिए।

(c) विद्यालयों के पास उपलब्ध समय को प्रसंगिक बनाना, जबकि उनमें से अधिकांश के पास व्यक्तिगत गतिविधियों के लिए पर्याप्त समय नहीं होता।

(d) गतिविधि की दृष्टिगत लागत को कम करना।

80. 'बच्चे फिल्मों में दिखाए गए हिंसात्मक व्यवहार को सीख सकते हैं।' यह निष्कर्ष निम्नलिखित में किसी मनोवैज्ञानिक द्वारा किए गए कार्य पर आधारित हो सकता है— [CTET-2013-II]

- एडवर्ड एल. थॉर्नडाइक
- जे.बी. वाटसन
- एल्बर्ट बंदूरा
- जोन पियाजे

81. शिक्षार्थी फैशन शो को देखकर मॉडल्स का अनुकरण करने को कोशिश करते हैं। इस प्रकार के अनुकरण को कहा जा सकता है। [CTET-2013-II]

- (a) प्राथमिक अनुकरण
(b) गीण अनुकरण
(c) सामाजिक अधिगम
(d) सामान्यीकरण
82. निम्नलिखित कौन-सी तकनीकें परीक्षा के कारण होने वाली चिंता को दूर करती हैं?
[CTET-2013-II]
- (a) प्रश्न-पत्र को संरचना (पैटर्न) से परिचित कराना
(b) परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचना
(c) समर्थन प्राप्त करना
(d) विशिष्टताओं पर बल देना
83. अ, ब, स तीन शिक्षार्थी हैं जो अंग्रेजी पढ़ते हैं। 'अ' को यह विषय रोचक लगता है और वह सोचता है कि यह उसके भविष्य में सहायक होगा। 'ब' अंग्रेजी इसलिए पढ़ती है, क्योंकि वह कक्षा में पहला स्थान प्राप्त करना चाहती है। 'स' अंग्रेजी विषय इसलिए पढ़ता है, क्योंकि उसका प्राथमिक सरोकार उतीर्ण होने वाले प्रेड्स प्राप्त करना है। अ, ब और स के उद्देश्य क्रमशः हैं।
[CTET-2013-II]
- (a) निपुणता, निष्पादन, निष्पादन-उपेक्षा
(b) निष्पादन, निष्पादन-उपेक्षा, निपुणता
(c) निष्पादन-उपेक्षा, निपुणता, निष्पादन
(d) निपुणता, निष्पादन-उपेक्षा, निष्पादन
84. निम्नलिखित में से कौन-सी सर्वाधिक प्रभावकारी विधि हो सकती है, जो आपको इस अपेक्षा को पूरी कर सके कि वंचित विद्यार्थी अपनी भागीदारी द्वारा सफल हो सकें? [CTET-Feb.-2014-I]
- (a) आप उनकी सफलता हेतु उनकी क्षमता में विश्वास को अभिव्यक्त करें
(b) पढ़ाए जाने वाले विषय में आप अपनी रुचि विकसित कर सकें
(c) अपने लक्ष्य को महसूस करने के लिए बच्चों को अन्य बच्चों से प्रायः तुलना करते रहना
(d) इस बात पर बल देना कि आपको उनसे उच्च अपेक्षाएँ हैं
85. परीक्षा में तनाव निष्पत्ति को प्रभावित करता है। यह तथ्य निम्नलिखित में से किस प्रकार के सम्बन्ध को स्पष्ट करता है?
[CTET-Feb.-2014-I]
- (a) संज्ञान-भावना (b) तनाव-विलोपन
(c) निष्पत्ति-चिन्ता (d) संज्ञान-प्रतियोगिता
86. एक अध्यापक उस बच्चे के साथ परामर्श करते हैं जिसको निष्पत्त्यात्मक प्रगति एक दुर्घटना के परिणामस्वरूप अनुकूल नहीं है। निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रिया विद्यालय में परामर्श के लिए सबसे बेहतर हो सकती है?
[CTET-Feb.-2014-II]
- (a) यह एक उपशमक उपाय है ताकि लोग अपने को आरामदायक महसूस कर सकें
(b) यह अपने विचारों द्वारा खोज करने हेतु लोगों में आत्मविश्वास का निर्माण करता है
(c) विद्यार्थियों को भविष्य के विकल्पों को चुनने हेतु यह एक अच्छा सम्भावित एगमर्श है
(d) इस कार्य को केवल अनुभवी कुरुशल व्यावसायिक विशेषज्ञ से कराया जा सकता है
87. निम्नलिखित में से कौन-सा कोहलबर्ग के नैतिक विकास के चरणों का लक्षण है?
[CTET-Feb.-2014-II]
- (a) चरणों का परिवर्तनशील अनुक्रम
(b) विभिन्न चरण अलग-अलग प्रत्युत्तर हैं, न कि सामान्य प्रतिमान
(c) सभी संस्कृतियों से सम्बद्ध चरणों को सर्वव्यापी शृंखला
(d) विभिन्न चरण एक गैर-पदानुक्रम रूप में आगे की ओर बढ़ते हैं
88. वंचित शिक्षार्थियों के साथ व्यवहार करने के सन्दर्भ में अध्यापक/ अध्यापिका को निम्नलिखित मूल्यों में से किसमें विश्वास व्यक्त करना चाहिए?
[CTET-Feb.-2014-II]
- (a) छात्रों की सफलता हेतु व्यक्तिगत उत्तरदायित्व
(b) समुचित व्यवहार की उच्च अपेक्षाएँ
(c) विद्यार्थी से किसी प्रकार की मांग न होना
(d) विद्यार्थियों द्वारा स्वीकृति हेतु आध्यात्मिकता व क्रोध का प्रयोग करना

89. निम्नलिखित में से किस पद्धति का उपयोग करते हुए हकलाने (stuttering) की समस्या से निबटारा जा सकता है? [CTET-Feb.-2014-II]

- (a) अनुश्रुत वाक्
- (b) प्रवर्द्धित वाक्
- (c) परिणामकारी वाक्
- (d) लम्बित वाक्

90. एक समावेशी कक्षा वह है, जहाँ-

[CTET-Feb.-2014-II]

- (a) तब तक आकलन की पुनरावृत्ति होती रहती है जब तक प्रत्येक अधिगमकर्ता न्यूनतम श्रेणी प्राप्त न कर ले
- (b) विद्यार्थियों का भार कम करने के लिए अध्यापक केवल अनुमोदित पुस्तकों से ही पढ़ाते हैं
- (c) समस्याओं का अधिकाधिक समाधान करने की सम्भावना की दृष्टि से बच्चों की सक्रिय भागीदारी रहती है
- (d) अध्यापक प्रत्येक अधिगमकर्ता के लिए वैकल्पिक व सार्थक अधिगमनामक अनुभवों हेतु परिवेश का निर्माण करते हैं

91. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रदत्त कार्य प्रतिभाशाली विद्यार्थी के लिए उपयुक्त है?

[CTET-Feb.-2014-II]

- (a) अन्य विद्यार्थियों की तुलना में समान प्रकार के, परन्तु अपेक्षाकृत अधिक अभ्यास
- (b) उसे अपने समयव्यस्की साधियों को अनुशिक्षण देने के लिए कहना ताकि उसकी शक्तियों को दिशा मिल सके तथा वह व्यस्त रह सके
- (c) विभिन्न विषयों को ध्यान में रखते हुए विज्ञान की एक नई आदर्शात्मक पुस्तक का निर्माण करना
- (d) सम्पूर्ण कक्षा को अपेक्षा उसे अपनी पाठ्यपुस्तक को शीघ्र समाप्त करने देना

92. विद्यालय छोड़ने वाले विद्यार्थियों के नियन्त्रण की दृष्टि से सकारात्मक संगठनों द्वारा संस्था के स्तर पर विभिन्न उपाय किए गए हैं। निम्नलिखित में से कौन-सा कारण सांस्थानिक स्तर से जुड़ा है जिसके कारण बच्चे विद्यालय छोड़ देते हैं?

[CTET-Feb.-2014-II]

- (a) विद्यालय में श्यामपट्ट और शौचालय जैसी आधारभूत सेवाओं का अभाव होना
- (b) अध्यापकों का समुपयुक्त योग्यता वाला न होना तथा उन्हें कम आय देना
- (c) बच्चों में भ्रष्टाचारित व्यवहार करने की आवश्यकता के प्रति अध्यापकों का संवेदनशील न होना
- (d) जो बच्चे अनिवार्य पाठ्यचर्या को स्वीकार नहीं कर पाते उनके लिए विकल्पात्मक पाठ्यचर्या का न होना

93. समस्या-समाधान प्रायः उन विद्यालयों में सफल है, जहाँ-

[CTET-Feb.-2014-II]

- (a) परिवर्तनशील/लचीली पाठ्यचर्या है
- (b) कक्षाओं में छात्रों का सम-समूहिकरण उपलब्ध है
- (c) केवल उच्चस्तरीय शैक्षिक उपलब्धि पर ही बल दिया जाता है
- (d) अध्यापक-केन्द्रित शिक्षाशास्त्र प्रभावी है

94. जो अध्यापक/अध्यापिका अपने विद्यार्थियों की त्रुटियों में सुधार करना चाहता/चाहती है, उसके लिए निम्नलिखित में से कौन/सा समुचित मार्ग है?

[CTET-Feb.-2014-II]

- (a) उसे अपने विद्यार्थियों को प्रत्येक त्रुटि का संशोधन करना चाहिए, इसके लिए चाहे उसे विद्यालय में देर तक बैठना पड़े
- (b) उसे बार-बार की जाने वाली तथा सामान्य त्रुटियों की अपेक्षा कम होने वाली त्रुटियों का अधिक संशोधन करना चाहिए
- (c) उसे उन त्रुटियों का संशोधन करना चाहिए जो सामान्य अर्थ व अवबोधनात्मकता में हस्तक्षेप करती हैं
- (d) अगर त्रुटि-संशोधन प्रक्रिया बच्चों को क्षुब्ध करती है, तो उसे उनका संशोधन नहीं करना चाहिए

95. कक्षा में ध्यान न देने वाले बच्चे से व्यवहार करने के लिए कौन-सा उपाय सर्वाधिक लाभकारी हो सकता है?

[CTET-Feb.-2014-II]

- (a) बच्चे को महसूस कराने के लिए उसे कक्षा में सबके सामने बार-बार डाटना-डपटना
- (b) बच्चे को उस जगह बैठाना जहाँ सबसे कम ध्यान भंग हो सके

- (c) ध्यान केन्द्रित करने के लिए, कार्य करते हुए बच्चे को खड़े रहने को अनुमति देना
(d) बच्चे के ध्यान को स्फूर्तियुक्त बनाने के लिए बीच-बीच में उसे अवकाश देना
96. शिक्षा का उद्देश्य है- [HTET-2014-I]
(a) अच्छा नागरिक बनाना
(b) ऐसे व्यक्तियों का निर्माण जो समाज के लिए उपयोगी हों
(c) व्यावहारिकता का निर्माण करना
(d) उपरोक्त सभी
97. समावेशी शिक्षा से तात्पर्य है- [HTET-2014-I]
(a) नियमित विद्यालयों में सभी प्रकार के बालकों का बिना किसी भेदभाव के स्वागत करना है
(b) शिक्षण का एक विशेष तरीका, जिससे सभी बालक सीख सकें
(c) कड़ी दाखिला प्रक्रिया को बढ़ावा देना
(d) शिक्षण के लिए विशेष विद्यालयों का प्रयोग करना
98. बिने-साइमन परीक्षण द्वारा मापन किया जाता है- [UPTET-2014-I]
(a) सामान्य बुद्धि का
(b) विशिष्ट बुद्धि का
(c) अभिवृत्ति का
(d) अभिषमता का
99. वाणी दोष नहीं है- [UPTET-2014-I]
(a) ध्वनि परिवर्तन और अस्पष्ट उच्चारण
(b) धीमी या तेज गति से बोलना
(c) हकलाना और तुलाना
(d) तीव्र अस्पष्ट वाणी
100. 'प्रयास और भूल' सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं- [UPTET-2014-II]
(a) थॉर्नडाइक (b) मैकडुगल
(c) कोहलर (d) पैकलॉव
101. जिस वक्र रेखा में प्रारम्भ में सीखने की गति तीव्र होती है और बाद में यह क्रमशः मन्द होती जाती है, उसे कहते हैं- [UPTET-2014-II]
(a) उन्ततोदर वक्र (Convex Curve)
(b) नतोदर वक्र (Concave Curve)
(c) मिश्रित वक्र रेखा (Combination type of Curve)
(d) वक्र रेखा नहीं होती है
102. मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान का प्रमुख उद्देश्य है- [UPTET-2014-II]
(a) बालक के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करना
(b) कुसमायोजन का निराकरण करना
(c) (a) और (b) दोनों
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं
103. शब्दों के अक्षरों के क्रम को पढ़ने में कठिनाई का अनुभव करना और अक्सर चाबुप स्मृति का इससे सम्बन्धित है। [CTET-Sept.-2014-II]
(a) डिस्लेक्सिया (b) डिस्केलकुलिया
(c) डिस्ग्राफिया (d) डिस्प्रक्सिया
104. 'सभी के लिए विद्यालयों में सभी की शिक्षा' निम्नलिखित में से किसके लिए प्रचार वाक्य हो सकता है? [CTET-Sept.-2014-I] ☐ ☐ ☐ ☐
(a) संसक्तिशील शिक्षा ☐ ☐ ☐ ☐
(b) समावेशी शिक्षा ☐ ☐ ☐ ☐
(c) सहयोगात्मक शिक्षा ☐ ☐ ☐ ☐
(d) पृथक शिक्षा ☐ ☐ ☐ ☐
105. शिक्षार्थी तब तक नहीं सीख सकते जब तक [CTET-Sept.-2014-II] ☐ ☐ ☐ ☐
(a) उन्हें शिक्षा के सामाजिक उद्देश्यों की आवश्यकताओं के अनुरूप न पढ़ाया जाए
(b) उन्हें यह पता न हो कि जो तथ्य उन्हें पढ़ाए गए हैं, निकट भविष्य में उनका परीक्षण किया जाएगा
(c) वे सीखने के लिए तैयार न हों
(d) दैनिक आधार पर घर में उनके माता-पिता विद्यालय में उनके सीखने के बारे में नहीं पूछेंगे।
106. एकाग्रता-समय के साथ मेल बैठाने के लिए एक दत्त कार्य को पूरा करने के लिए आवंटित समय को घटाना और चरणबद्ध तरीके से इस एकाग्रता-समय को बढ़ाना निम्नलिखित में से किस प्रकार के विकास से निवृत्ति के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है? [CTET-Sept.-2014-II]
(a) अशक्तकारी व्यवहार संबंधी विकास
(b) डिस्फ़ेसिया
(c) संवेदी एकीकरण विकास
(d) एकाग्रता-ह्रास अतिक्रियाशील विकास
107. लड़कों एवं लड़कियों के विषय में कुछ कथन नीचे दिए गए हैं। आपके अनुसार इनमें से कौन-सा सही है? [CTET-Feb.-2015-I]
(a) लड़कों को घर के बाहर के कामों में सहायता करनी चाहिए।
(b) लड़कों को घर के कामों में सहायता करनी चाहिए।

- (c) सभी लड़कों को विज्ञान तथा लड़कियों को गृह विज्ञान पढ़ाया जाना चाहिए।
(d) लड़कियों को घर के कामों में सहायता करनी चाहिए।
108. एक बच्चे को कॉपी में लिखने में विपरीत छवि, दर्पण छवि आदि जैसी गलतियाँ मिलती हैं। इस प्रकार का बच्चा लक्षण प्रदर्शित कर रहा है— [CTET-Feb.-2015-I]
- (a) अधिगम में असुविधा के
(b) अधिगम में अशक्तता के
(c) अधिगम में कठिनाई के
(d) अधिगम में समस्या के
109. अध्यापक के दृष्टिकोण से प्रतिभाशीलता किसका संयोजन है? [CTET-Feb.-2015-I]
- (a) उच्च योग्यता - उच्च सृजनात्मकता - उच्च वचनबद्धता
(b) उच्च प्रेरण - उच्च वचनबद्धता - उच्च क्षमता
(c) उच्च योग्यता - उच्च क्षमता - उच्च वचनबद्धता
(d) उच्च क्षमता - उच्च सृजनात्मकता - उच्च स्मरणशक्ति
110. अध्यापिका ने एक कमेंटी के प्रधान को 'सभापति' के स्थान पर 'सभाध्यक्ष' लिखा। यह संकेत करता है कि अध्यापिका— [CTET-Feb.-2015-I]
- (a) एक अधिक उपयुक्त पारिभाषिक शब्द का पालन करती है
(b) भाषा पर अच्छा अधिकार रखती है
(c) एक लिंग-मुक्त भाषा का प्रयोग कर रही है
(d) लिंग पूर्णग्रह से ग्रस्त है
111. प्रचलित योजनाओं में नई जानकारी जोड़ने को किस नाम से जाना जाता है? [CTET-Feb.-2015-I]
- (a) समायोजन (b) साम्यधारण
(c) आत्मसात्करण (d) संगठन
112. कौन सा समूह के विद्यार्थियों को सामान्य विद्यार्थियों के साथ-साथ पढ़ना चाहिए। इसका अभिप्राय है— [CTET-Feb.-2015-I]
- (a) समावेशी शिक्षा (b) विशेष शिक्षा
(c) एकीकृत शिक्षा (d) अपवर्जक शिक्षा
113. विवृत लिखावट से सम्बन्धित लिखने की योग्यता में कमी किसका एक लक्षण है ? [CTET-Feb.-2015-I]
- (a) डिस्ग्राफिया (b) डिस्लेक्सिया
(c) डिस्लेकुलिया (d) डिस्लेक्सिया
114. निम्नलिखित में से कौन-सा तरीका अध्यापिका के द्वारा एक सृजनात्मक बच्चे की पहचान करने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होगा ? [CTET-Feb.-2015-II]
- (a) बच्चे का विस्तृत रूप से अवलोकन करना, विशेष रूप से उस समय जब वह समस्याओं को हल करती है
(b) यह अवलोकन करना कि बच्ची समूह कार्यों में साधियों के साथ किस प्रकार से प्रतिक्रिया करती है
(c) मानकीकृत बुद्धि परीक्षणों को देना
(d) वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षणों को देना
115. समावेशी शिक्षा के पीछे मूलाधार यह है कि— [CTET-Feb.-2015-II]
- (a) प्रत्येक बच्चे के निष्पादन के लिए मानक एकसमान तथा मानकीकृत होने चाहिए।
(b) समाज में विभन्नता है और विद्यार्थियों को इस विभन्नता के प्रति संवेदनशील होने के लिए समावेशी होने की आवश्यकता है।
(c) हमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के ऊपर दया करने की आवश्यकता है और सुविधाओं तक उनकी पहुँच होनी चाहिए।
(d) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अलग विद्यालयों की व्यवस्था करना लगत प्रभावी नहीं है।
116. इनमें से कौन-सी विशेषता प्रतिभाशाली बच्चों की नहीं है? [CTET-Sept.-2015-I]
- (a) उच्च आत्म क्षमता
(b) निम्न औसतीय मानसिक प्रक्रियाएँ
(c) अंतर्दृष्टिपूर्वक समस्याओं का समाधान करना
(d) उच्चतर श्रेणी की मानसिक प्रक्रियाएँ
117. बच्चों को समूह कार्य देना एक प्रभावी शिक्षण-रणनीति है, क्योंकि: [CTET-Sept.-2015-I]
- (a) छोटे समूह में कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों पर हावी होने की अनुमति होती है।
(b) सीखने की प्रक्रिया में बच्चे एक-दूसरे से सीखते हैं और परस्पर सहायता भी करते हैं।
(c) बच्चे अपना काम जल्दी करने में समर्थ होते हैं।
(d) इससे शिक्षक का काम कम हो जाता है।

118. एक औसत बुद्धि वाला बच्चा यदि भाषा को पढ़ने एवं समझने में कठिनाई प्रदर्शित करता है तो यह संकेत देता है कि बच्चा _____ का लक्षण प्रदर्शित कर रहा है। [CTET-Sept.-2015-I]
- लेखन-अक्षमता (डिस्ग्राफिया)
 - गणितीय-अक्षमता (डिस्कैल्कुलिया)
 - गतिसमन्वय-अक्षमता (डिस्प्रैक्सिया)
 - पठन-अक्षमता (डिस्लेक्सिया)
119. समावेशी शिक्षा मानती है कि हमें _____ को के अनुरूप बदलना है। [CTET-Sept.-2015-I]
- व्यवस्था / बच्चे
 - परिवेश / परिवार
 - बच्चे / परिवेश
 - बच्चे / व्यवस्था
120. एक समावेशी कक्षा में किसी शिक्षिका की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है : [CTET-Sept.-2015-II]
- कक्षा के लिए ऐसी योजना बनाना कि प्रत्येक बच्चा समान गति से आगे बढ़े।
 - यह सुनिश्चित करना कि शिक्षिका कक्षा को मानक निर्देश दे रही है।
 - बच्चे के माता-पिता को व्यवसाय को जानना ताकि शिक्षिका प्रत्येक बच्चे के भावी व्यवसाय को जान सके।
 - सुनिश्चित करना कि प्रत्येक बच्चे को अपनी संभावना को प्राप्त करने का अवसर मिले।
121. अधिगम अक्षमता वाले [CTET-Sept.-2015-II]
- बच्चे निम्न बुद्धिलब्धि वाले होते हैं।
 - बच्चों को एक समान दिखाई देने वाले अक्षरों और वर्णों में भ्रम होता है।
 - बच्चे दृश्य-शब्दों (साइट वर्ड्स) को आसानी से पहचानते और समझते हैं।
 - बच्चे का मानसिक विकास मंद होता है।
122. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन 'समावेशन' का सबसे अच्छा वर्णन करता है? [CTET-Feb.-2016-II]
- यह एक दर्शन है कि विशेष बच्चे 'ईश्वर के विशेष उपहार' हैं।
 - यह एक विश्वास है कि बच्चों को अपनी योग्यताओं के अनुसार अलग किया जाना चाहिए।
 - यह एक विश्वास है कि कुछ बच्चे कभी कुछ सीख ही नहीं सकते।
 - यह एक दर्शन है कि सभी बच्चों को नियमित विद्यालय/ प्रणाली में समान शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है।
123. 'वंचित वर्ग' की पृष्ठभूमि के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षक को चाहिए कि [CTET-Feb.-2016-II]
- उन पर ध्यान न दें क्योंकि वे दूसरे शिक्षार्थियों के साथ अंतःक्रिया नहीं कर सकते
 - उन्हें बहुत-सा लिखित कार्य दें
 - उनके बारे में अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास करें और उन्हें कक्षा में होने वाली चर्चा में शामिल करें
 - उन्हें कक्षा में अलग बिट्टाएं
124. निम्नलिखित में से कौन-सा व्यवहार बच्चे की अधिगम-निर्यायता की पहचान करता है? [CTET-Feb.-2016-II]
- कम अक्षान-वितरण और उच्च शारीरिक गतिविधि
 - मनोभाव का जल्दी-जल्दी बदलना (मूड स्विचिंग)
 - अपमानजनक व्यवहार
 - 'b' को 'd', 'was' को 'saw', '21' को '12' लिखना
125. एक बच्चा जो आंशिक रूप से देख सकता है [CTET-Feb.-2016-II]
- विशेष प्रावधान करते हुए उसे 'नियमित' विद्यालय में रखना चाहिए
 - बिना किसी विशेष प्रावधान के उसे 'नियमित' विद्यालय में डालना चाहिए
 - उसे शिक्षा नहीं देनी चाहिए, क्योंकि वह उसके किसी काम नहीं आएगी
 - उसे अलग संस्थान में डालने की आवश्यकता है
126. विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों से व्यवहार करने के लिए निम्नलिखित दार्शनिक दृष्टिकोणों में से किसका अनुसरण किया जाना चाहिए? [CTET-Feb.-2016-II]
- उन्हें केवल व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
 - उन्हें समावेशी शिक्षा का और नियमित विद्यालयों में अध्ययन करने का अधिकार प्राप्त है।
 - उन्हें किसी प्रकार की शिक्षा की आवश्यकता ही नहीं होती।
 - उन्हें पृथक् करके उनकी शिक्षा किसी निम्न शैक्षिक संस्थाओं में होनी चाहिए।

127. माध्यमिक विद्यालय की कक्षा में शिक्षिका के पास एक 'बधिर' बच्चा है। उसके लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि [CTET-Feb.-2016-II]

- बच्चे को डॉट-फटकार कर उसे अलग स्थान पर बैठाए ताकि वह बधिर केंद्र में प्रवेश ले ले
- विद्यालय सलाहकार (कार्ड्सलर) से कहे कि वे बच्चे के अभिभावकों से बात करें तथा उन्हें अपने बच्चे को विद्यालय से हटाने के लिए कहें
- वह बच्चे को उस स्थान पर बैठाए जहाँ से वह शिक्षिका के हाँट तथा चेहरे के भाव साफ तौर पर देख सके
- उसके प्रति संकेत करें जिसे वह बच्चा बार-बार नहीं कर पा रहा

128. अधिगम-नियोग्यता वाले बच्चे

[CTET-Feb.-2016-II]

- अधिगम के कुछ पक्षां से संघर्ष करते हैं
- बहुत सक्रिय होते हैं, लेकिन उनकी बुद्धि लब्धि कम होती है
- बहुत बुद्धिमान तथा परिपक्व होते हैं
- कुछ भी नहीं सीख सकते

129. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शामिल करना: [CTET-Sep.-2016-I]

- एक काल्पनिक लक्ष्य है
- जिनमें अक्षमता न हो उन बच्चों के लिए हानिकारक है
- विद्यालयों पर भार बढ़ा देगा
- शिक्षण के प्रति दृष्टिकोण, विषयवस्तु और धारणा परिवर्तन को अपेक्षा रखता है

130. सुनने में असमर्थ बच्चा:

[CTET-Sep.-2016-I]

- श्रवण असमर्थता वाले बच्चों के विद्यालय में ही भेजा जाना चाहिए, नियमित विद्यालय में नहीं

(b) केवल अकादमिक शिक्षा से लाभ नहीं उठा पाएगा, उसे उसके स्थान पर व्यावसायिक शिक्षा दी जानी चाहिए

(c) नियमित विद्यालय में बहुत अच्छा कर सकता है यदि उससे उपयुक्त सुविधा और साधन उपलब्ध कराए जाएँ

(d) नियमित विद्यालय में अपने सहपाठियों के समान कभी प्रदर्शन नहीं कर सकेगा

131. कोई शिक्षिका अपनी कक्षा में फर्नीचर

तीखी धार वाले किनारों को रई से ढका रखने को कहती है और 'छुओ तथा अनुभव करो' वाले सूचना-पट्टों का उपयोग करने को कहती है। वह किस वर्ग के विशेष शिक्षार्थियों की आवश्यकता पूर्ति करने का प्रयास कर रही है?

[CTET-Sept.-2016-II]

- सामाजिक रूप से वंचित शिक्षार्थी
- दृष्टि विकलांग शिक्षार्थी
- श्रवण विकलांग शिक्षार्थी
- सीख न सकने वाले शिक्षार्थी

132. विविध शिक्षार्थियों वाली एक समावेशी कक्षा में सहयोगी अधिगम और समयवस्तुओं से सीखना:

[CTET-Sept.-2016-II]

- कार्यन्वित नहीं किया जाना चाहिए और विद्यार्थियों को क्षमताओं के अनुसार अलग-अलग किया जाना चाहिए
- केवल कभी-कभी ही प्रयोग किया जाना चाहिए क्योंकि यह सहपाठियों से तुलना को बढ़ावा देता है।
- सक्रिय रूप से निरुत्साहित किया जाना चाहिए और प्रतियोगिता को बढ़ावा देना चाहिए।
- सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जिससे समयवस्तुओं की स्वीकार्यता बढ़े

उत्तरमाला

1	(c)	16	(a)	31	(b)	46	(c)	61	(a)	76	(c)	91	(c)	106	(d)	121	(b)
2	(d)	17	(c)	32	(b)	47	(d)	62	(a)	77	(b)	92	(d)	107	(b)	122	(d)
3	(c)	18	(c)	33	(d)	48	(d)	63	(b)	78	(c)	93	(a)	108	(b)	123	(c)
4	(c)	19	(c)	34	(b)	49	(c)	64	(b)	79	(a)	94	(c)	109	(a)	124	(d)
5	(a)	20	(a)	35	(b)	50	(b)	65	(d)	80	(c)	95	(b)	110	(c)	125	(a)
6	(d)	21	(c)	36	(d)	51	(d)	66	(c)	81	(c)	96	(d)	111	(c)	126	(b)
7	(a)	22	(d)	37	(a)	52	(c)	67	(a)	82	(b)	97	(a)	112	(a)	127	(c)
8	(a)	23	(d)	38	(b)	53	(b)	68	(a)	83	(a)	98	(b)	113	(a)	128	(a)
9	(b)	24	(c)	39	(c)	54	(b)	69	(c)	84	(a)	99	(b)	114	(b)	129	(d)
10	(c)	25	(a)	40	(a)	55	(d)	70	(a)	85	(a)	100	(a)	115	(c)	130	(c)
11	(b)	26	(b)	41	(b)	56	(b)	71	(b)	86	(b)	101	(a)	116	(b)	131	(b)
12	(a)	27	(d)	42	(b)	57	(c)	72	(b)	87	(c)	102	(c)	117	(b)	132	(d)
13	(d)	28	(a)	43	(d)	58	(d)	73	(d)	88	(a)	103	(a)	118	(d)		
14	(d)	29	(b)	44	(d)	59	(d)	74	(c)	89	(b)	104	(b)	119	(a)		
15	(d)	30	(a)	45	(b)	60	(a)	75	(d)	90	(d)	105	(c)	120	(d)		

व्याख्या सहित उत्तर

- (c) बुद्धि रटने की योग्यता मात्र नहीं है, अतः उत्तम रटने वाले छात्रों को उच्च बुद्धि वाला नहीं माना जा सकता।
- (a) 'डिस्ट्रेक्सिया' बालकों की एक प्रकार की अधिगम अक्षमता है, जोकि पठन क्रिया में अभिव्यक्त होती है।
- (d) प्रतिभाशाली होना एक मानसिक गुण है, उसका शारीरिक शक्ति या उसके प्रदर्शन से कोई सम्बन्ध नहीं है।
- (d) समावेशी शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्रों को एक साथ अध्ययन करना पड़ता है। इसमें विकलांग, विभिन्न भाषाओं एवं संस्कृतियों, विभिन्न परिवारों, जातियों एवं समुदायों के बच्चे शामिल रहते हैं। इसलिए समावेशी शिक्षा कक्षा में विविधता का उत्सव मनाती है।
- (b) बच्चों के शिक्षा के लिए प्रायः उनके माता-पिता एवं विशेष रूप से उनके शिक्षकों को उत्तरदायी माना जाता है। लेकिन माता-पिता एवं शिक्षकों की अपनी एक नियत क्षमता होती है। जब बच्चा 'फेल' होता है तो पूर्ण रूप से शिक्षा नीति एवं शिक्षा व्यवस्था दोषी है।
- (d) सृजनात्मकता मुख्य रूप से अपसारी (बहुविध) चिन्तन से सम्बन्धित है, क्योंकि सृजनात्मक बालक नए सम्बन्धों के ज्ञान को इसकी उत्पत्ति में चिन्तन की परम्परागत तरीकों से हटकर असाधारण विचार उत्पन्न करने की योग्यता रखते हैं।
- (c) समावेशी शिक्षा उस विद्यालय शिक्षा व्यवस्था की ओर संकेत करती है जो उनकी शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, भाषिक या अन्य विभिन्न योग्यता स्थितियों को ध्यान में रखे बगैर सभी बच्चों को शामिल करती है।
- (b) डिस्ट्रेक्सिया मुख्य रूप से पढ़ने की समस्या से सम्बन्धित है।
- (b) प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की शिक्षा व्यवस्था अन्य सामान्य विद्यार्थियों के साथ करनी चाहिए। इससे इन विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को विकसित करने का भरपूर अवसर मिलता है।
- (c) डिस्ट्रेक्सिया से ग्रस्त बालक ही पठन विकास से ग्रसित होता है। वह पढ़ने में भ्रमित हो जाता है।

53. (b) अधिगम संबंधी नियोग्यताओं का सम्बंध सामान्यतः स्थान, बुद्धि व लिंग से न होकर वंशानुक्रम से होता है। ये माता-पिता द्वारा बालकों में पायी जाती हैं।
54. (b) उत्तर डिस्प्रैफिया है। डिस्लेक्सिया पठन विकार है, डिस्डोमिया न्यूरोटिक डिप्रेशन व डिस्केलुलिया गणित अयोग्यता से सम्बंधित है।
55. (d) किसी भी भाषा या बोली में, स्वनिम (phonemes) उच्चारित ध्वनि (sound) सबसे छोटी इकाई होती है। अतः थ, फ, च ध्वनियौ स्वनिम हैं।
56. (c) शिक्षिका को शारीरिक विकलांगता वाले बच्चे को खेल के प्रति उत्साहित करना चाहिए। अतः विकल्प (c) सबसे उपयुक्त कथन है।
57. (a) एक समावेशी विद्यालय में, छात्रों के वैयक्तिक विभिन्नताओं के बावजूद उपयुक्त पाठ्यक्रम, शिक्षण रणनीतियाँ, संगठनात्मक व्यवस्था एवं संसाधनों के उचित उपयोग के माध्यम से गुणवत्ता शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।
58. (a) प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रायः ऐसे सहयोग की आवश्यकता होती है जो सामान्यतः विद्यालयों द्वारा उपलब्ध नहीं कराये जा सकती है।
59. (c) बच्चों में प्रतिभाशालिता उनके आनुवंशिक रचना एवं वातावरणीय प्रभाव के कारण होती है। जैसे- प्रतिभाशाली माता-पिता के बच्चे प्रायः प्रतिभाशाली होते हैं एवं अच्छे वातावरण में पले-बढ़े बच्चों में भी प्रतिभाशालिता पायी जाती है।
70. (a) गतिक कौशलों में अधिगम नियोग्यता डिस्प्रैक्सिया कहलाती है। डिस्प्रैक्सिया गतिक कौशल कार्यों को प्रभावित करती है जिसमें हाथ हिलाने से लेकर दाँत साफ करने में ब्रश का उपयोग करने में कठिनाता हो सकती है तथा प्रत्येक व्यक्ति में डिस्प्रैक्सिया का स्तर भिन्न हो सकता है।
71. (b) अधिगम नियोग्यता एक चर अवस्था है। समुचित प्रयास से अधिगम नियोग्यता को सुधारा जा सकता है।
72. (b) समस्या समाधान एक मानसिक प्रक्रिया है। समस्या समाधान प्रक्रिया में समस्या सुलझाना हमारा लक्ष्य होता है, लेकिन हम यह नहीं समझ पाते हैं कि समस्या का हल किस प्रकार निकाला जाए। अतः समस्या समाधान के लिए हम निम्नलिखित संज्ञात्मक गतिविधियों का प्रयोग करते हैं-
- वास्तव में समस्या क्या है, इसका पता लगाना
 - समस्या के कारणों की पहचान
 - समस्या का रचनात्मक समाधान सूजन
 - समस्या के सर्वोत्तम समाधान का चयन एवं मूल्यांकन
 - समस्या को सर्वोत्तम हल को लागू करना तथा उनके परिणामों का निरीक्षण करना कि समस्या का समाधान हुआ या नहीं।
73. (d) सीमा द्वारा परीक्षा भवन में होने वाली घबराहट का प्राथमिक कारण अकस्मात् संवेगात्मक आवेग का सामना नहीं कर पाना हो सकता है।
75. (d) बी. एफ. स्किनर ने सक्रिय अनुबंधन के सिद्धांत का प्रतिपादन किया है।
76. (c) एक समावेशी विद्यालय में, विशेष आवश्यकता वाले बालक को सामान्य बच्चों से अलग नहीं कर सकते। उन बच्चों को विशेष ध्यान के साथ समावेशी विद्यालय में ही शिक्षा देना चाहिए।
77. (b) प्रतिभाशाली बच्चों में रचनात्मक समस्या को हल करना तथा सामान्य बच्चों से उनकी अलग सोच उन्हें अपसारी चिंतक बनाता है।
79. (a) सी.बी.एस.ई. शिक्षार्थियों के लिए व्यक्तिगत गतिविधियों के स्थान पर सामूहिक गतिविधियों को बढ़ावा देती है क्योंकि इससे शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा से उबारना होता है जो सम्पूर्ण अधिगम पर सामाजिकीकृत हो सकती है।
80. (c) सामाजिक अधिगम का सिद्धांत अल्बर्ट बन्दुरा ने दिया है। इस सिद्धांत के अन्तर्गत व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों में वातावरण सम्बन्धी कारकों को ही महत्व दिया है, वंशानुक्रम कारकों को कोई महत्व नहीं दिया गया है।

81. (c) सामाजिक अधिगम सिद्धांत के अनुसार, बच्चे अन्य लोगों के व्यवहार को देखकर अनुकरण करते हैं।
82. (b) परीक्षा परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचना आगामी परीक्षा के लिए होने वाली चिंता को दूर करने का सही तरीका नहीं है।
116. (b)
117. (b) सामूहिक कार्य सामूहिक सीखने की प्रक्रिया का एक अंग है। यह व्यक्तिगत भेदभाव से संबंधित है। यह छात्र में ज्ञान दक्षताएँ (वार्तालाप, दक्षता, सहयोग दक्षता, सूक्ष्म विचार दक्षता) एवं अभिरूचि को प्रदर्शित करता है।
118. (d) पठन-अक्षमता पढ़ने-लिखने से संबंधी एक विकार है, जिसमें बच्चों को शब्दों को पहचानने, पढ़ने, याद करने और बोलने में परेशानी आती है। वे कुछ अक्षरों और शब्दों को उल्टा पढ़ते हैं और कुछ अक्षरों का उच्चारण भी नहीं कर पाते।
119. (a) समेकित शिक्षा सभी छात्रों को एक साथ या एक कक्षा और समुदाय में लाती है। वे इस तथ्य के परे होती हैं कि किसी क्षेत्र में उनकी शक्ति एवं क्षमताएँ क्या हैं। वे छात्रों की सामर्थ्य को बढ़ाने का प्रयत्न करती हैं।
121. (b) अधिगम अक्षमता एक ऐसी समस्या है जो इस बात को प्रभावित करती है कि कोई व्यक्ति सूचनाओं को कैसे प्राप्त करता है एवं सूचनाओं को कार्यान्वित कैसे करता है।
122. (d) 'समावेशन' का सबसे अच्छा वर्णन करने वाला कथन है—यह एक दर्शन है कि सभी बच्चों को नियमित विद्यालय प्रणाली में समान शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है।
123. (c) बौद्धिक वगैरह बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षक को चाहिए कि उनके बारे में अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास करे और उन्हें कक्षा में होने वाली चर्चा में शामिल करे। बौद्धिक वगैरह बच्चों की अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने से शिक्षक उनकी स्थिति को भली-भाँति समझकर शैक्षिक विकास में सहायता कर सकेंगे। उन बच्चों को कक्षा में समावेशित करना आवश्यक है।
124. (d) बच्चे को अधिगम नियोज्यता की पहचान होती है तब वह 'b' को 'd', 'was' को 'saw' '21' को '12' लिखे। ऐसी स्थिति में शिक्षक को सचेत हो जाना चाहिए कि बच्चे में अधिगम नियोज्यता है जिसके कारण बच्चा इस प्रकार की त्रुटियाँ निरंतर कर रहा है।
126. (b) एक विशिष्ट बालक वह है जो कि शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक एवं सामाजिक विशेषताओं में किसी सामान्य बालक से उस सीमा तक विचलित होता है, जब वह अपनी क्षमताओं के अधिकतम विकास हेतु सहायता, निर्देशन, विद्यालयी कार्यक्रमों में परिमार्जन तथा विशिष्ट शैक्षिक सेवाओं की आवश्यकता रखता है।
127. (c) पूर्णतः बधिर बच्चे को उस स्थान पर बैठाना चाहिए जहाँ वह शिक्षिका की सांकेतिक भाषा को भली-भाँति समझ सकें।
सांकेतिक भाषा एक ऐसी भाषा है, जो अर्थ सूचित करने के लिए श्रवणीय ध्वनि पैटर्न में संप्रेषित करने की बजाय, दृश्य रूप में सांकेतिक पैटर्न संचारित करती है।
128. (a) अधिगम-नियोज्यता का अर्थ विभिन्न प्रकार के उन विकारों के समूह से है, जिनके कारण बच्चे को सीखने, पढ़ने, लिखने, बोलने, तर्क करने तथा गणित के प्रश्न हल करने आदि में कठिनाई होती है।
129. (d) समावेशी शिक्षा एक प्रकार की समेकित शिक्षा की ओर हंगित करती है, जिसके अंतर्गत बिना किसी भेदभाव व अंतर के समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा प्रदान करके, एक स्तर पर लाया जा सके।